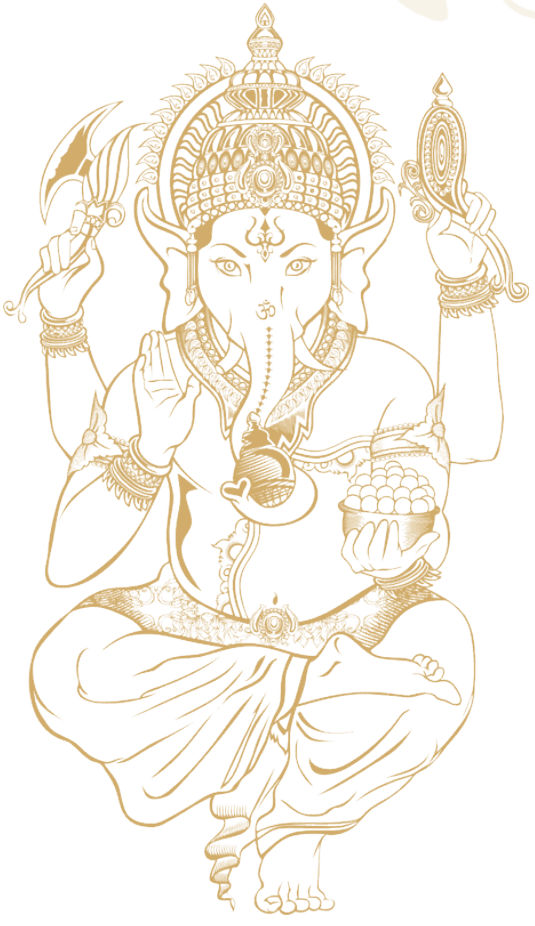

Harshvardhan Singh

Vidushi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121782302

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
25/04/1997	जन्म तिथि	19/09/1997
शुक्रवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 13:02:00	जन्म समय	18:18:00 घंटे
घटी 18:15:39	जन्म समय(घटी)	30:29:59 घटी
India	देश	India
Meerut	स्थान	Roorkee
29:00:00 उत्तर	अक्षांश	29:52:00 उत्तर
77:42:00 पूर्व	रेखांश	77:53:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:19:12	स्थानिक संस्कार	-00:18:28 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:43:44	सूर्योदय	06:05:06
18:51:08	सूर्यास्त	18:18:57
23:49:08	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:27

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शनि 8वर्ष 8मा 14दि	26:14:50	कर्क	लग्न	मीन	03:46:34	केतु 1वर्ष 0मा 16दि
केतु	11:19:02	मेष	सूर्य	कन्या	02:47:23	चन्द्र
09/01/2023	10:33:22	वृश्चि	चंद्र	मेष	11:20:36	05/10/2024
08/01/2030	22:57:28	सिंह व	मंगल	तुला	29:41:16	06/10/2034
केतु 07/06/2023	11:31:23	मेष व	बुध	सिंह	15:20:07	चन्द्र 06/08/2025
शुक्र 06/08/2024	24:58:47	मक	गुरु व	मक	18:50:24	मंगल 07/03/2026
सूर्य 12/12/2024	17:11:27	मेष	शुक्र	तुला	14:47:20	राहु 06/09/2027
चन्द्र 13/07/2025	19:33:54	मीन	शनि व	मीन	24:39:09	गुरु 05/01/2029
मंगल 09/12/2025	04:24:21	कन्या व	राहु व	सिंह	25:54:37	शनि 06/08/2030
राहु 28/12/2026	04:24:21	मीन व	केतु व	कुंभ	25:54:37	बुध 05/01/2032
गुरु 03/12/2027	14:43:20	मक	हर्ष व	मक	11:09:55	केतु 06/08/2032
शनि 11/01/2029	06:07:35	मक	नेप व	मक	03:27:37	शुक्र 06/04/2034
बुध 08/01/2030	11:11:24	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	09:23:04	सूर्य 06/10/2034

लग्न-चलित

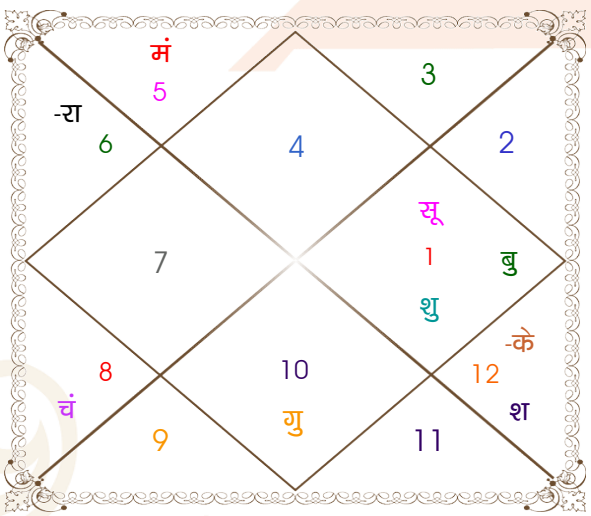

लग्न-चलित

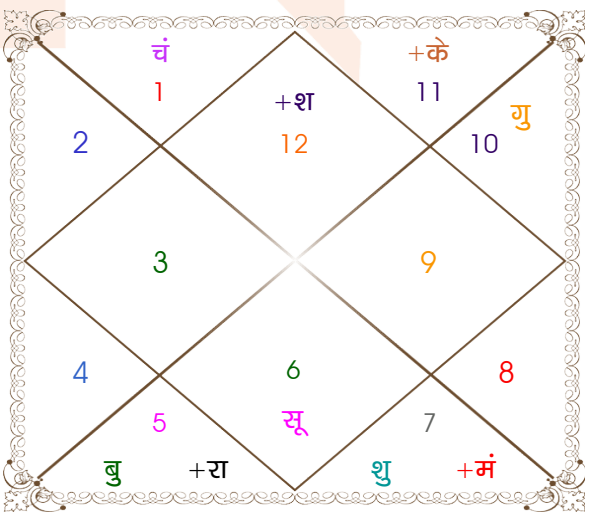

Acharya Ashok Shukla Vedpathi Shiva Shiv Astrology Research Centre
Brahmavidyapeeth Shukatirtha
9897180017
ashok.shukla.mzn@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मृग	अश्व	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	मेष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.50		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Harshvardhan Singh का वर्ग सर्प है तथा Vidushi का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Harshvardhan Singh और Vidushi का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Harshvardhan Singh मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

Vidushi मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Harshvardhan Singh कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Harshvardhan Singh तथा Vidushi में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।